भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 958
24 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एबीडीएम के तहत नागरिकों का नामांकन

†958. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में, विशेषकर तमिलनाडु के अरणी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में, अब तक आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत नामांकित नागरिकों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है;
(ख) एबीडीएम के तहत पंजीकृत अस्पतालों, क्लिनिकों और स्वास्थ्य प्रदाताओं की संख्या कितनी है तथा उनका भौगोलिक वितरण क्या है;
(ग) क्या सरकार ने देश में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, रोगी देखभाल, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण की दक्षता पर एबीडीएम के प्रभाव का मूल्यांकन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) सरकार द्वारा एबीडीएम के अंतर्गत डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और स्वास्थ्य रिकॉर्ड की अंतर-संक्रियता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ङ) एबीडीएम को मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों, बीमा योजनाओं और राज्य स्वास्थ्य डेटाबेस के साथ एकीकृत करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): दिनांक 20 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत, देश भर में 94.87 करोड़ आभा बनाए गए हैं, जिसमें तमिलनाडु के 2.57 करोड़ शामिल हैं। आभा बनाते समय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का विवरण दर्ज नहीं किया जाता है। दिनांक 20 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु के अरणी लोकसभा क्षेत्र में 17,81,231 आभा पंजीकरण (तिरुवन्नामलई जिले में 10,25,823 और विलुपुरम जिले में 7,55,408) पंजीकृत किए गए हैं:

एबीडीएम के तहत, स्वास्थ्य सुविधाकेंद्र रजिस्ट्री (एचएफआर) बनाई गई है जिसमें सत्यापित स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाकेंद्र जैसे अस्पताल, क्लीनिक, फार्मेसी, ब्लड बैंक आदि शामिल हैं। दिनांक 20 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, एचएफआर पर 5.36 लाख सुविधाकेंद्र पंजीकृत हैं। इसी तरह, स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवर रजिस्ट्री सत्यापित स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवरों की एक रजिस्ट्री है। दिनांक 20 जुलाई, 2026 तक की स्थिति के अनुसार, एचपीआर पर 10.09 लाख स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवर पंजीकृत हैं। राज्य-

वार और जिला-वार वितरण, रीयल-टाइम एबीडीएम डैशबोर्ड https://dashboard.abdm.gov.in/ पर उपलब्ध है।

जून-अगस्त 2025 के बीच एबीडीएम का एक तृतीय-पक्ष मूल्यांकन अध्ययन किया गया था। मूल्यांकन अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं।

● एबीडीएम ने प्रतीक्षा अवधि कम की है, लागत में बचत की है और सेवा तक पहुंच में सुधार किया है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं और अल्पसेवित आबादी को लाभ हुआ है।

● सुव्यवस्थित कार्यनीतिक आधार, मजबूत डिजिटल अवसंरचना के कार्यान्वयन और सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों में हितधारकों की प्रभावी भागीदारी को देखते हुए, एबीडीएम स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी पारितंत्र में दक्षता लाया है।

● एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफ़ेस (यूएचआई) एबीडीएम के तहत एक प्रमुख डिजिटल प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जो स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध खोज और प्रदायगी को सुविधाजनक बनाता है और नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, सुविधा और विस्तार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।

● एबीडीएम ने विशेष रूप से वंचित समूहों के लिए स्वास्थ्य सेवा की दक्षता, पहुँच और वहनीयता को बढ़ाते हुए प्रभाव दर्शाया है। इसकी अंतर-संचालनीय अवसंचरचना और अंतःक्षेत्रीय सहयोग ने व्यापक एकीकरण और मापनीय स्वास्थ्य परिणामों के माध्यम से प्रणालीगत बदलाव को बढ़ावा दिया है, जो दीर्घकालिक सफलता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

'डिज़ाइन आधारित गोपनीयता' एबीडीएम के प्रमुख मार्गदर्शी सिद्धांतों में से एक है और स्वास्थ्य डेटा का कोई केंद्रीकृत भंडार नहीं है। एबीडीएम रोगी की सहमति के बाद एबीडीएम नेटवर्क पर इच्छित हितधारकों के बीच सुरक्षित डेटा आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। साथ ही, एबीडीएम के साथ एकीकृत करने से पहले, डिजिटल स्वास्थ्य अनुप्रयोगों को एक सैंडबॉक्स इन्वायरमेंट में मान्य किया जाता है और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वे डब्ल्यूएएसए (वेब एप्लिकेशन सिक्योरिटी ऑडिट) जैसे सुरक्षा लेखापरीक्षा से भी गुजरते हैं।

एबीडीएम सामान्य स्वास्थ्य डेटा मानक स्थापित करके और व्यक्तियों, स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, और अन्य आवश्यक घटकों के लिए रजिस्ट्री विकसित करके अंतर-संचालनीयता को सक्षम बनाता है। यह सार्वजनिक और निजी दोनों स्वास्थ्य सेवा पारितंत्रों में विभिन्न डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच डेटा का आदान-प्रदान करने की अनुमति देता है, भले ही वे अलग-अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हों।

जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित किसी भी डिजिटल स्वास्थ्य समाधान को एबीडीएम के साथ एकीकृत करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई), निक्षय, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) गैर-संचारी रोग (एनसीडी), गुजरात का टेको, उत्तर प्रदेश का ई-कवच, राजस्थान का गर्भावस्था, शिशु ट्रैकिंग और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन (पीसीटीएस), तमिलनाडु को सीएमसीएचआईएस (व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना) सहित कई राष्ट्रीय और राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम प्लेटफ़ॉर्म, एबीडीएम के साथ एकीकृत हैं।

******